जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

दिनांक: 02/05/2024

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया को सीएसआर पहल के अंतर्गत याली मोबिलिटी से 3-व्हील ई-वाहन प्राप्त हुआ।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) के शारीरिक रूप से विकलांग व्हीलचेयर छात्रों को सशक्त बनाने हेतु आज विश्वविद्यालय के नेहरू गेस्ट हाउस में कार्यवाहक कुलपति प्रो. इकबाल हुसैन द्वारा 3-व्हील ई-वाहन लॉन्च किया गया। कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) पहल के अंतर्गत जामिया मिल्लिया इस्लामिया को याली मोबिलिटी, चेन्नई द्वारा ई-व्हीलचेयर वाहन प्रदान किया गया था और यह 200 से अधिक शारीरिक रूप से विकलांग छात्रों के लिए बहुत मददगार होगा। व्हीलचेयर उपयोगकर्ता किसी दूसरे व्यक्ति की सहायता बिना खुद ही व्हीलचेयर की गति, दिशा और गति को पूरी तरह से नियंत्रित कर सकता है।

सेंटर फॉर सोशल एक्सक्लूजन एंड इनक्लूसिव पॉलिसी (सीएसईआईपी), जामिया इस उद्यम में मध्यस्थता करने में सहायक रही है क्योंकि इस केंद्र का उद्देश्य महिलाओं, अल्पसंख्यकों, दिव्यांगों और ट्रांसजेंडरों सहित समाज के हाशिए पर रहने वाले वर्गों के समावेश को बढ़ावा देना है।

इस मौके पर जामिया के मो. हदीस लारी, कार्यवाहक कुलसचिव, प्रो मो. मुस्लिम खान, डीन, सामाजिक विज्ञान संकाय, प्रो तनुजा, मानद निदेशक, सीएसईआईपी, श्री शक्तिवेल थायप्पन, निदेशक, याली मोबिलिटी, आईआईटी रिसर्च पार्क, चेन्नई और उनकी टीम सहित विश्वविद्यालय के संकाय सदस्य एवं छात्र उपस्थित रहे ।

याली मोबिलिटी, आईआईटी मद्रास का एक इनक्यूबेटेड स्टार्टअप, व्हीलचेयर उपयोगकर्ताओं और बुजुर्गों हेतु सुलभ वाहन उपलब्ध कराने में माहिर है जो उनके दैनिक आउटडोर आवागमन को सहज एवं आनंददायक बना रहा है।

प्रो इकबाल हुसैन ने अपने वक्तव्य की शुरुआत ई-वाहन प्रदान करने हेतु याली मोबिलिटी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए की, जो विश्वविद्यालय के शारीरिक रूप से विकलांग छात्रों को अधिक सशक्त बनाएगा। उन्होंने यह कहा कि जामिया में पहले से ही शारीरिक रूप से विकलांग छात्रों के लिए रैंप, लिफ्ट तथा अन्य सुविधाएं मौजूद हैं और ई-वाहन के जुड़ने से न केवल उन्हें परिसर में तेज गति से आने-जाने में सहायता मिलेगी मिलेगी बल्कि विश्वविद्यालय को एनएएसी, एनआईआरएफ और अन्य रैंकिंग में भी सहायता मिलेगी।

याली मोबिलिटी के निदेशक, श्री शक्तिवेल थायप्पन ने यह कहा कि उन्होंने जामिया मिल्लिया इस्लामिया को प्रोजेक्ट फ्रीडम के अंतर्गत ई-वाहन प्रदान करने के लिए चुना क्योंकि इसकी समृद्ध विरासत सबसे पुराने केंद्रीय विश्वविद्यालयों में से एक है और एनआईआरएफ रैंकिंग में इसे तीसरा स्थान प्राप्त है। इसके अतिरिक्त, बहु-विषयक शिक्षा, सामाजिक समावेशिता एवं सांस्कृतिक विविधता को आगे बढ़ाने पर विश्वविद्यालय ज़ोर देता है और इसमें क्रांति लाने सहित परिसर में समावेशिता को बढ़ावा देना प्रोजेक्ट फ्रीडम के लक्ष्य से पूरी तरह से मेल खाता है।

प्रोफेसर तनुजा, मानद निदेशक, सीएसईआईपी ने मुख्य अतिथि, सम्मानित अतिथियों, गणमान्य व्यक्तियों तथा अन्य आमंत्रित लोगों को कार्यक्रम में भाग लेने हेतु आभार व्यक्त किया ।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया